प्रेस विज्ञप्ति

19 अक्टूबर 16 को चौथी उपतटीय गश्ती पोत (आई पी वी)
भारतीय तटरक्षक पोत रानी गैडिनल्यू की कमीशनिंग

महानिदेशक राजेंद्र सिंह, पीटीएम, टीएम
महानिदेशक भारतीय तटरक्षक द्वारा भारतीय तटरक्षक पोत रानी गैडिनल्यू की कमीशनिंग ।

1. महानिदेशक राजेंद्र सिंह, पीटीएम, टीएम, महानिदेशक भारतीय तटरक्षक, ने, महानिरीक्षक राजन बड़गोत्रा, टीएम, कमांडर तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व) एवं केंद्र तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में भारतीय तटरक्षक की तीव्र गश्ती पोत रानी गैडिनल्यू की विशाखापत्तनम में कमीशनिंग की । पोत का नामकरण मणिपुर राज्य की प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रानी गैडिनल्यू के नाम पर किया गया है ।

2. 51 मीटर लंबी तीव्र गश्ती पोत रानी गैडिनल्यू अपने श्रेणी की चौथी पोत है, इसकी डिजाइन एवं निर्माण स्वदेशी शैली में मैसर्स हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है । पोत में अत्याधुनिक एवं नवोन्नत किस्म के नौचालन एवं संचार सेंसर तथा उपकरण लगे हुए हैं । पोत में 2720 किलोवाट क्षमता वाले तीन एमटीयू 4000 श्रेणी के डीजल इंजन लगे हुए हैं । प्रत्येक के साथ 2100 चक्कर प्रति मिनट की गति से घूमने वाले तीन 71एस2 रोल्स रॉयसी केमेवा जेट्स लगे हुए हैं तथा इसकी अधिकतम गति 34 नॉट है । हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्माणाधीन पाँच पोतों की श्रेणी में यह चौथी गश्ती पोत है । पोत की कमीशनिंग के दौरान अपने संबोधन में, महानिदेशक, भारतीय तटरक्षक ने तटीय सुरक्षा की निगरानी में तटरक्षक के प्रयासों की सराहना की ।

3. महानिदेशक, भारतीय तटरक्षक ने भारतीय तटरक्षक पोत रानी गैडिनल्यू की भूमिका का वर्णन करते हुए कहा कि ये तीव्र गश्ती पोत नियमित खोज एवं बचाव अभियानों के अलावा, समुद्री निगरानी, तटीय गश्त, तश्कर विरोधी अभियान तथा मछुवारों की सुरक्षा के लिए प्रयोग में लाई जाएगी। उन्होंने इसे भारतीय पोत निर्माण उद्योग के इतिहास का प्रमुख बिंदु तथा स्वदेशी पोत निर्माण क्षमता का साक्ष्य माना, जो राष्ट्र के 'भारत निर्माण' कार्यक्रम को आगे प्रेरित करता है। इस अवसर पर अपने संबोधन में महानिदेशक भारतीय तटरक्षक ने कहा स्वदेशीकरण के प्रति प्रतिबद्ध भारतीय तटरक्षक आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने आगे कहा, समुद्री क्षेत्र में बदलती हुई सुरक्षा के परिदृश्य में चौबीसों घंटे तटीय सुरक्षा की आवश्यकता है, जिसके कारण तटरक्षक को निरंतर चौकसी बनाए रखनी होगी।

4. भारतीय तटरक्षक पोत रानी गैडिनल्यू में 05 अफसर तथा 34 कार्मिक तैनात हैं, पोत की कमान कमांडेंट (जेजी) रमेश वी टाल्के कर रहे हैं। पोत, कमांडर, तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व) के प्रशासनिक एवं संक्रियात्मक नियंत्रण में कृष्णापत्तनम में परिनियोजित की जाएगी।

5. भारतीय तटरक्षक पोत रानी गैडिनल्यू के सम्मिलित होने से तटरक्षक की क्षमता में विस्तार होगा, फलस्वरूप घोषणा-पत्र में उद्धृत लक्ष्यों की प्राप्ति की श्रृंखला में पूर्वी समुद्री क्षेत्र की निगरानी में सहायता होगी।